लखनऊ

अमर उजाला

लखनऊ | शुक्रवार | 1 जनवरी 2016

एजुकेशन का होगा डिजिटाइजेशन

नया साल शैक्षणिक संस्थाओं और स्टूडेंट्स के लिए कई मामले में अहम साबित होने वाला है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में सीबीसीएस (चॉइस बेस क्रेडिट सिस्टम) और ग्रेडिंग लागू हो जाएगी तो लखनऊ विश्वविद्यालय डिजिटलाइजेशन की ओर कदम बढ़ा देगा।

एकेटीयू : नया भवन, सीबीसीएस भी : अब तक आईईटी की बिल्डिंग में चल रहे एकेटीयू को वर्ष 2016 में खुद का भवन मिल जाएगा। यहां छात्र-छात्राओं की बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी के साथ डिजिटल लाइब्रेरी मुहैया कराने का प्रयास हो रहा है। इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग सिस्टम से पारदर्शिता लाई जाएगी। डिजाइन इंस्टीट्यूट की स्थापना होगी। पांच संस्थानों में इंक्यूबेशन सेंटर भी शुरू होंगे। पहली बार निजी कॉलेजों में शिक्षकों की भर्ती के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा होगी।

लविवि : परीक्षा सुधार की तैयारी : एलयू में वर्ष 2016 से पीजी और डिप्लोमा सहित सभी कोर्स में परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भरवाने की तैयारी है। परीक्षाएं तीन पालियों में कराने के साथ तीन की जगह दो घंटे का पेपर कराने की तैयारी है। साथ ही डिजिटल इवेल्यूएशन कराने की व्यवस्था लागू करेगा। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अंतर्गत सभी गर्ल्स हॉस्टल में जिम इक्विपमेंट्स, लाइब्रेरी का डिजिटलाइजेशन, दोनों परिसरों का ऑटोमेशन कराने की योजना तैयार है। आगामी दीक्षांत समारोह से वॉटर व टियर प्रूफ 13 सिक्योरिटी फीचर वाली डिग्री मुहैया कराई जाएगी।

पुनर्वास विवि पढ़ाएगा बीटेक : डॉ. शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विवि में 2016 से बीटेक की पढ़ाई शुरू होगी। कक्षा 6 से 12वीं तक की पढ़ाई के लिए बन रहे मॉडल स्कूल का संचालन शुरू हो जाएगा।

बीबीएयू
13 नए विभाग होंगे स्थापित

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय 13 नए विभाग खोलने के साथ ही पूरे परिसर को वाईफाई करने जा रहा है। इसके अलावा मिनी माल की तरह दिखने वाले आधुनिक स्टूडेंट एक्टीविटी सेंटर का निर्माण शुरू होगा। लाइब्रेरी को आईआईएम की तर्ज पर मार्च तक डिजिटलाइज कर दिया जाएगा।

अरबी-फारसी विश्वविद्यालय
खुलेंगे नए विभाग

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी-फारसी राज्य विश्वविद्यालय की कार्य परिषद को राजभवन से मंजूरी मिलने के बाद विवि के विकास के रास्ते खुल जाएंगे। पहली कार्य परिषद बैठक आयोजित होने के साथ ही विवि में नए विभाग खोले जाएंगे। मदरसों को मान्यता दी जाएगी।

माध्यमिक विद्यालय
सुधरेगी शिक्षण की गुणवत्ता

वर्ष 2016 में राजधानी के जियामऊ और चिनहट में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की स्थापना होगी। भूमि का चयन और प्रस्ताव तैयार हो चुका है। अगले साल से निर्माण शुरू हो जाएगा। दूसरी ओर राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के तहत पीपीपी मॉडल पर थावर, अनैया खरगापुर और करौरा में स्कूलों का संचालन भी शुरू हो जाएगा।